

FORM No. III

फर्द अहकाम

(नियम 26)

दालत सहो कलम 27 एव उपरकल अखिकारी मुकाम चित्तौड़गढ़
 कामरेण्ड्रीन बनाम सरकार जशिर तहवीलदा त्रिवेणार
 मुकदमा नं. 63 सन् 2022
प्राचीन एव 251 A R A (2022/118)

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
२१ ³ / ₂₄	<p>अखिबता प्राची एव चेतोकार सरकार अधिगत। वहास प्रकरण उभय पक्ष सुनी गई।</p> <p>हमने पत्रपत्नी का गहगता ले अध्याय कर वहास उभय पक्ष पर भजन किया। संक्षिप्त विवरण प्रकरण इस प्रकार है कि प्राची के विरुद्ध विपक्षी प्रकरण पर अन्तर्गत खोबा 251 ए आर दी.ए. इस आशय का प्रस्तुत किया कि प्राची के खातेदारी एवं फहजे काशत की ग्राम गिणुड व गिणुड में आराजी खण्ड 3300, 3312 कील 2 रकबा 2.20 हे भूमि स्थित है। प्राची अपनी कृषि आराजीगत पर ग्राम गिणुड की आ. नं. 3309, 3310, 3316 में होते हुए आता जाता है। प्राची अपनी भूमि हंकाई बुवाई के लिए व फसल उठाने के लिए ट्रैक्टर व अन्य साधन का उपयोग उपयोग करता है, प्राची की आराजीगत से पहुंचने के लिए स्थायी रास्ता नही होने से एवं विपक्षी की आराजीगत पर पास के खातेदार का फहजा होने से प्राची के फसल बुवाई कराई के समय काफी दिक्कतें आती हैं इसलिए विपक्षी की खातेदारी से प्राची को आने जाने</p> <p style="text-align: center;">(बीनू देवल) सहायक कमक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी चित्तौड़गढ़ (राज.)</p>	

के लिए रास्ता स्थित जाना अत्यंत ही आवश्यक है। उक्त रास्ता प्राची के ग्राम आशजीघात पर पहुंचने का एक मात्र एवं सबसे छोटा रास्ता है एवं अन्य कोई वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध नहीं है। उक्त रास्ता राजत्व रेकार्ड में दर्ज नहीं होने से एवं उक्त ग्राम प्रजोत्तराधिकार के कब्जे में होने से रास्ता अवरूद्ध कर देता है। प्राची को अपनी आशजीघात में पहुंचने के लिए रास्ता राजत्व रेकार्ड में दर्ज होता है तो प्राची नियमानुसार डीएलसी दर वहन करने को तैयार है।

प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर तहसीलदार चित्तौड़गढ़ से मौका रिपोर्ट तालब की गई। तहसीलदार चित्तौड़गढ़ द्वारा जरूर क्रमांक/राजत्व/2023/723 दिनांक 11/12/2023 से मौका रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। प्राची द्वारा दिनांक 08/21/2024 को प्राचीग पत्र प्रस्तुत कर रास्ते की मौका जमाने रिपोर्ट स्पष्ट रूप से पुनः भगवान हेतु निवेदन करने पर - मौका रिपोर्ट पुनः तालब की गई।

तहसीलदार चित्तौड़गढ़ द्वारा जरूर क्रमांक/राजत्व/2024/183 दिनांक 12/31/24 से पुनः मौका रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। जिल्ले इंजुअर प्राची की निजी खातेपरी भूमि आ.नं. 3312 तक जाने हेतु आ.नं. 3309 रकबा 0.08 हे. से 0.05 हे. किल्ले गे. मु. रास्ता एवं आ.नं. 3310 रकबा 0.10 हे. किल्ले गे. मु. पाल के ऊपर से रास्ते हेतु रकबा 0.06 हे. कुल किल्ला 2 रकबा 0.11 हे. रास्ता चारों तरफ है। बाड़ी के ओर कोई

(वीनू देवल)
सहायक कलक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
चित्तौड़गढ़ (राज.)

वैकल्पिक रास्ता नहीं है। उम्त होने
बिलानाम आराजीशत पर हुसैन पिता
अलादीन मुहम्मद निवासी गिलुड का
कब्जा लेकर रास्ता बन्द कर रखा है।
आ. नं. 3310 से गेहूँ लेकर कब्जा है। उम्त
रास्ता बिलानाम से 0.11 हे. के डी.एल.सी
पर 94500.00 रु. पर प्रति एकर से दो
गुना कुल राशि 2,07,900.00 रु. पर राज्य
कोष में जमा योग्य है।

इस प्रकार तहसीलदार चित्तौड़गढ़
से प्राप्त मौजा रिपोर्ट अनुसार प्राचीन
की खोलेदारी आराजीशत पर पहुँचने
हेतु उम्त रास्ता के अलावा अन्य कोई
वैकल्पिक रास्ता नहीं है। इत. हल्ब
मौजा रिपोर्ट तहसीलदार चित्तौड़गढ़
प्राचीन का प्राचीन पत्र अर्जित धारा
251 ए आर. डी. ए. स्वीकार किया जाकर
प्राचीन की ग्राम गिलुड पर 0.11 गिलुड
स्थित आराजी खज्जा 3300, 3312
कील 2 रुबा 2.20 हे. पर आने जाते
हेतु रास्ता कायम करने बाबत ग्राम
गिलुड की बिलानाम आ. नं. 3309
रकब 0.08 से 0.05 तथा आराजी
नं. 3310 रकब 0.10 से 0.06 कुल
0.11 हे. भूमि को डी.एल.सी. पर की दो
गुना राशि 2,07,900.00 रु. को दो लाख सात
हजार नौ सौ रु. पर राज्य कोष में जमा
कराने पर किल्ले रास्ता दब कर जाने
के आदेश दिए जाते हैं। (प्राचीन को आदेश
दिए जाते हैं कि 2,07,900.00 रु. पर राज्यकोष
में जमा कराये जाने हेतु उम्त राशि का
तहसीलदार चित्तौड़गढ़ के नाम का ड्राफ्ट
बनवाकर प्रस्तुत करें।

(वीनू देवल)

सहायक कलेक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
चित्तौड़गढ़ (राज.)

----- मजदूर

तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

उत्तानुसार डाफ्ट प्रस्तुत होने पर राज्य कोष में जमा कराणे हेतु तहसीलदार चित्तौड़गढ़ को प्रेषित कर राजस्व अभिलेख में डाला हेतु मौका रिपोर्ट के साथ जय नम्बरा जिसमें प्रस्तावित शान्ता दर्शाया गया है कि प्रति निर्णय की प्रति के साथ अल्लेग प्रेषित कर लिखा जावे कि शशी २,०७,३०० = ०० (जयर राजकोष) में जमा कराणे के पश्चात प्रस्तावित शान्ता की भूमि को राजस्व रेकार्ड में शान्ता दर्ज कर मौका रिपोर्ट के साथ जय नम्बरे अगुदा रेकार्ड में दर्ज किया जावे।

निर्णय लिखवाया जाका जुगाया गया पत्रावली पेंसल शुमार होकर नम्बर हो कम हो।

(बीनू देवल)

सहायक कलक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
चित्तौड़गढ़ (राज.)